मायामी चूहे



लेखनः जोविअल बॉब स्टाइन, चित्रः एरिक गर्नी

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

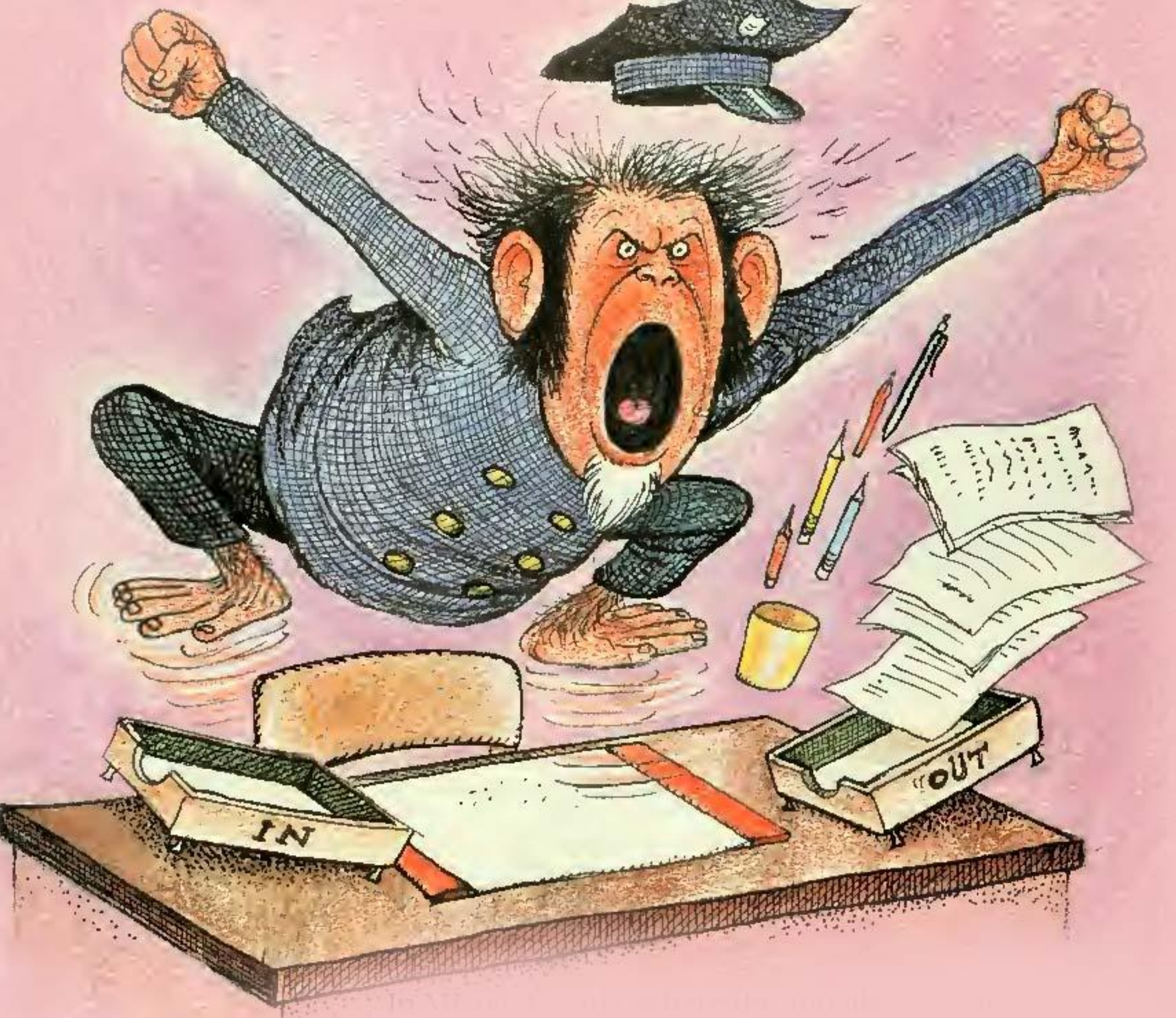
मायामी चूहे



लेखनः जोविअल बॉब स्टाइन

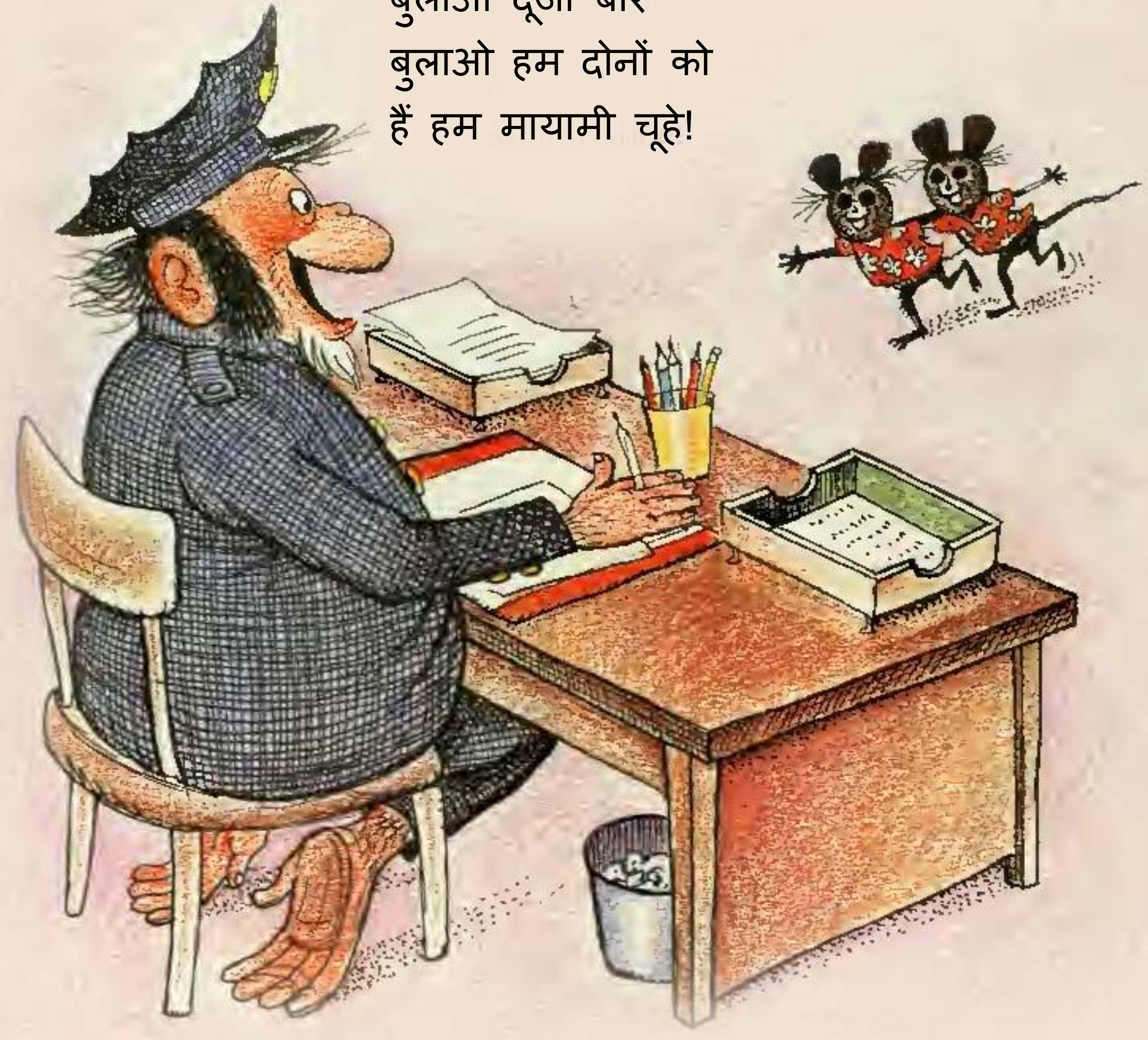
चित्रः एरिक गर्नी

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



मायामी, फ्लॉरिडा में सूरज हमेशा चमकता है। पर वहाँ के पुलिस थाने में उस दिन कोलाहल मचा हुआ था। पुलिस मुखिया ज़िपी अपनी मेज़ पर ऊपर-नीचे उछल रहा था। "मुझे मेरे सबसे उम्दा सिपाही चाहिए!" वह चीखा। सो मायामी चूहों को बुलाया गया।

बुलाओ एक बार
बुलाओ दूजी बार
बुलाओ हम दोनों को
हैं हम मायामी चूहे!



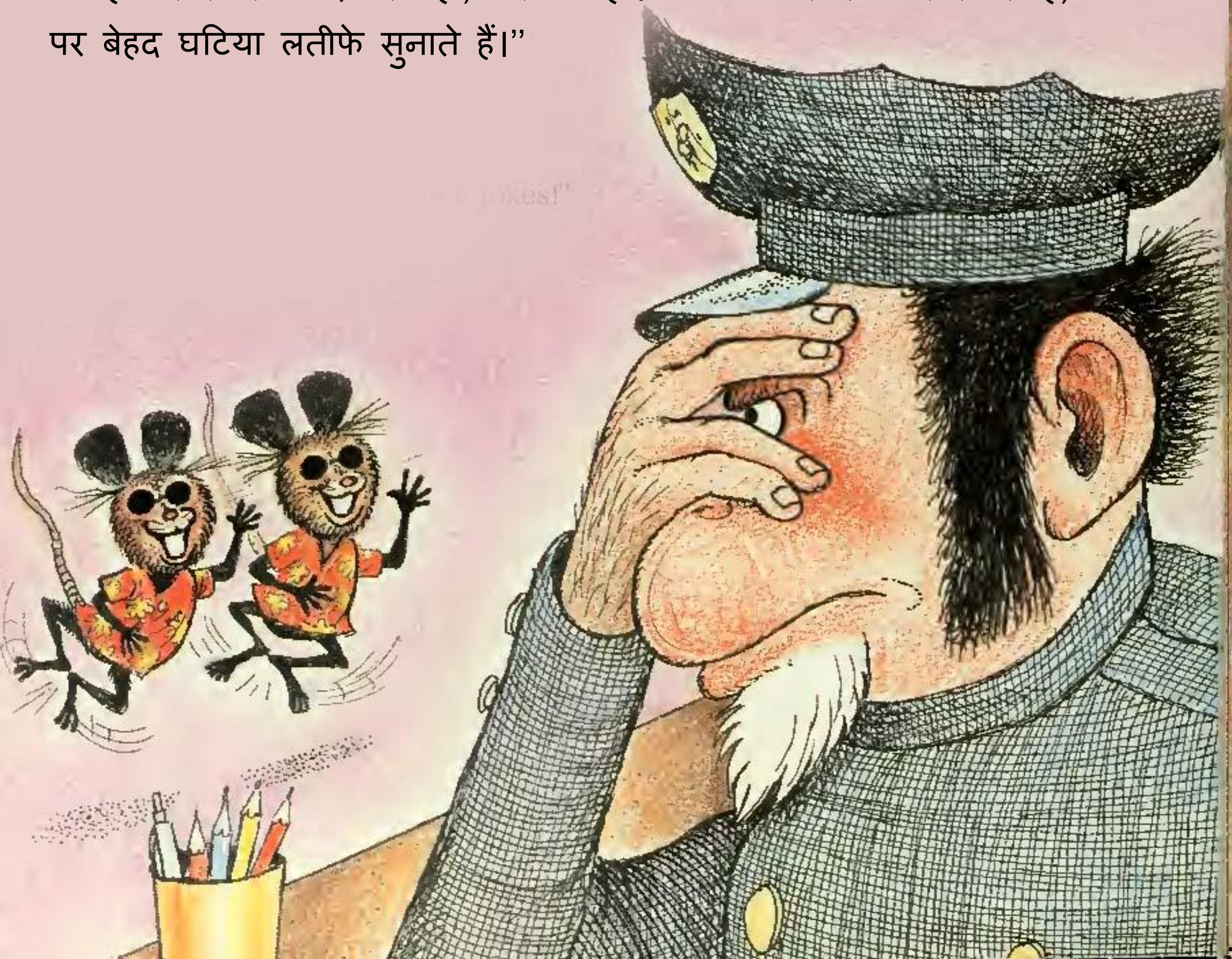
"ये मेरे सबसे उम्दा सिपाही हैं," मुखिया ज़िपी ने कहा। "और वे टैप डांस भी कर सकते हैं।"

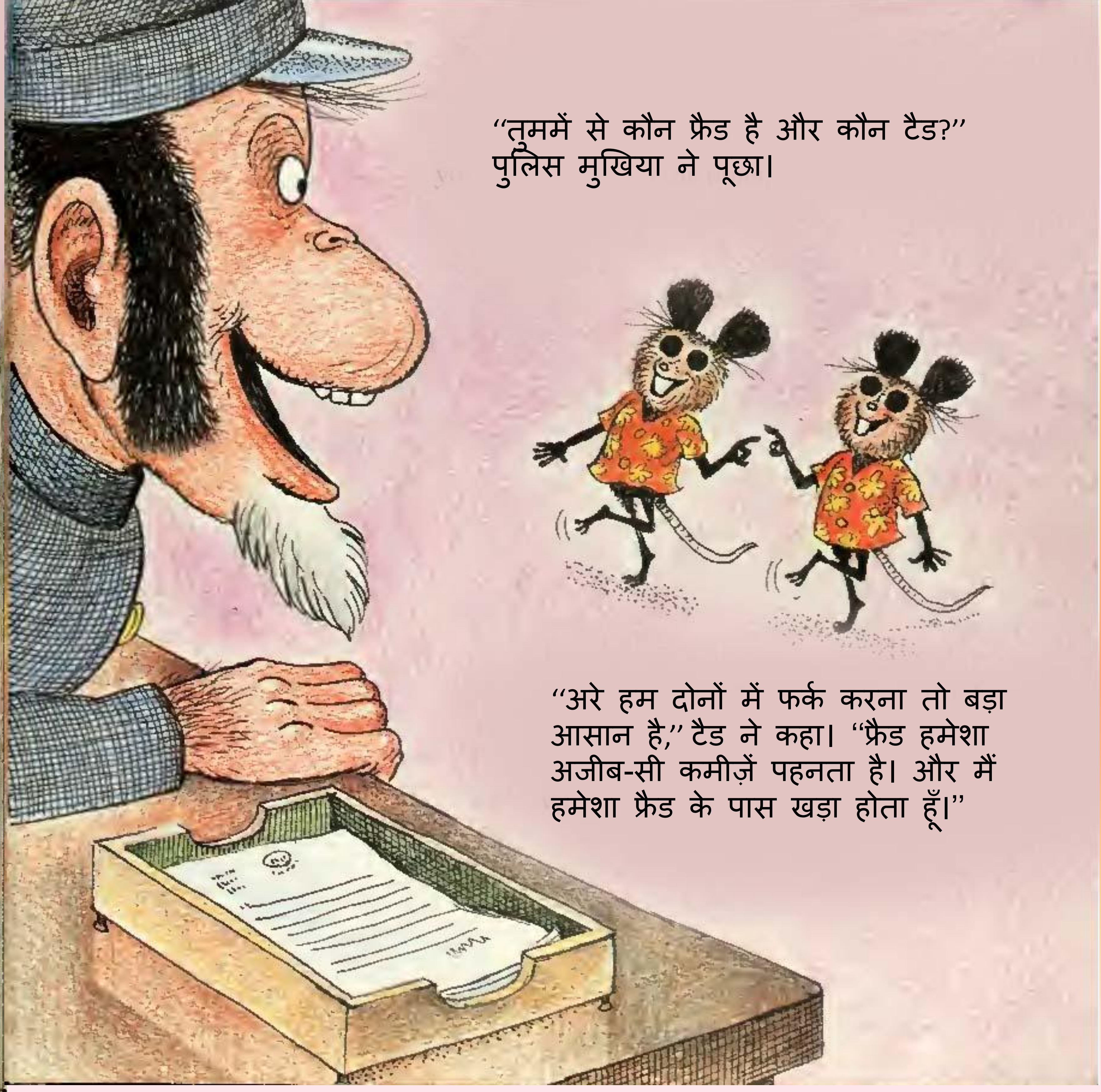
"अरे टैड," मायामी फ्रैड ने कहा। "क्या तुमने कभी बनाना स्प्लिट (केले की मिठाई) देखा है?"

"नहीं फ्रैड," मायामी टैड ने कहा। "पर मैंने आइसक्रीम पॉप ज़रूर देखा है।"

मुखिया ज़िप की भौंहें तन गईं, उसने सिर हिलाया।

"ये हैं मेरे सबसे उम्दा सिपाही," उसने कहा। "वे टैप डांस तो कर सकते हैं, पर बेहद घटिया लतीफे सुनाते हैं।"





"तुममें से कौन फ्रैड है और कौन टैड?" पुलिस मुखिया ने पूछा।

"अरे हम दोनों में फर्क करना तो बड़ा आसान है," टैड ने कहा। "फ्रैड हमेशा अजीब-सी कमीज़ें पहनता है। और मैं हमेशा फ्रैड के पास खड़ा होता हूँ।"



मुखिया का चेहरा अब गंभीर हो गया।

“लड़कों, मै खुश हूँ कि तुम दोनों आ गए हो,” उसने कहा।

”कोई मुझे बन्दर बनाना चाहता है!

“क्या तुम्हें मालूम है कि आज कौन-सा दिन है?” मुखिया ने पूछा।



“जी बेशक,” टैड बोला, “आज, आज है।”

“नहीं टैड,” फ्रैड ने कहा, “आज, आज हो ही नही सकता।

क्योंकि वह तो कल बीत चुका है।”

“तो . . .” टैड ने कहा। “फिर आज, आने वाला कल होगा।”



पुलिस मुखिया ज़िपी ने अपना बड़ा दीवारी कैलेंडर उतारा। उस दिन की तारीख के गिर्द एक बड़ा लाल घेरा खिंचा हुआ था।

“आज चौथी जुलाई है,” उसने दोनों सिपाहियों को बताया। “आज चौथी जुलाई के बड़े जुलूस का दिन है।”

“हुर्रे!” टैड ने कहा।

“हुर्रे!” फ्रैड ने कहा।

शहर के सभी लोग जुलूस देखने आएंगे,'' मुखिया ज़िपी ने आगे जोड़ा। ''वहाँ मेयर होगा, दमकल विभाग का मुखिया होगा, मैं भी वहीं होउंगा! पर एक छोटी समस्या है . . .''

''हमारा जुलूस चोरी हो गया है!''





मुखिया ज़िपी ने उन्हें जुलूस का एक बड़ा चित्र दिखाया। ''जुलूस ऐसा होना चाहिए,'' उसने कहा।

''हुर्रे!'' टैड बोला।

''हुर्रे!'' फ्रैड बोला।

''पर हमारा जुलूस ही गायब है,'' मुखिया ने परेशान हो कहा। ''वह ढूंढे नहीं मिल रहा।''

''चौथी जुलाई बिना जुलूस के मनाई ही नहीं जा सकती!'' टैड ने कहा।

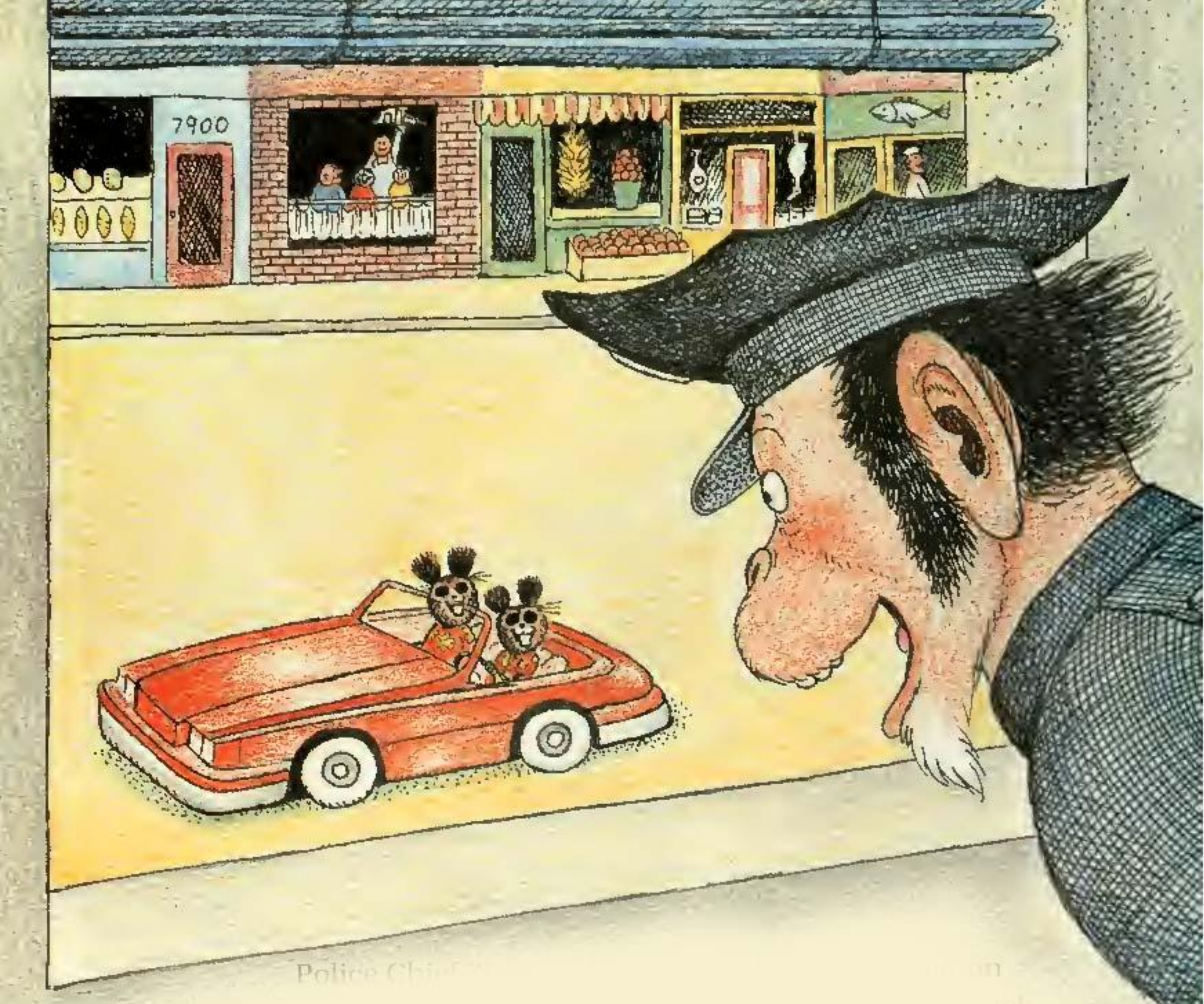
''और बिना जुलूस के जुलूस कैसे निकल सकता है!'' फ्रैड ने कहा।

''लड़कों मैं चाहता हूँ कि तुम दोनों जाओ और गुमशुदा जुलूस को तलाश लाओ!'' मुखिया ने हुक्म दिया।

हम डरते नहीं
घबराते नहीं।
बिना जुलूस खोजे
लौट कर आते नहीं!



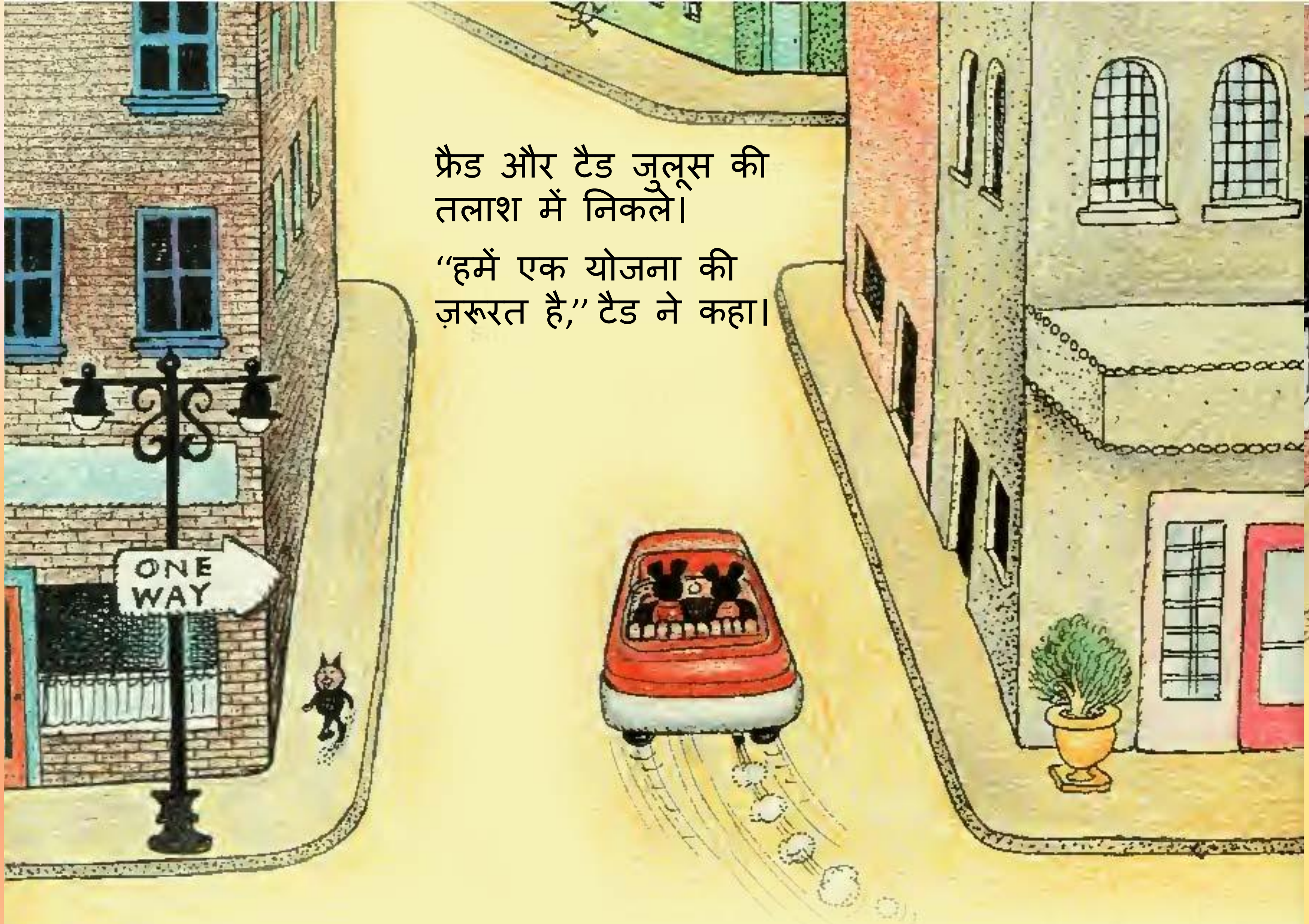
मयामी चूहे अपनी खुले छत वाली चमकीली लाल चूहाराटी गाड़ी की ओर दौड़े।
''अरे फ्रैड,'' टैड ने पूछा। ''क्या तुमने कभी हॉट डॉग की थड़ी देखी है?''
''नहीं टैड,'' फ्रैड ने कहा। ''पर मैंने स्क्वैयर डांस देखा है।''



पुलिस मुखिया ज़िपी ने थाने की खिड़की से झाँक कर देखा, और बोला, ''घटिया लतीफे सुनाना तब तक बन्द करो, जब तक तुम जुलूस को तलाश न लो।''

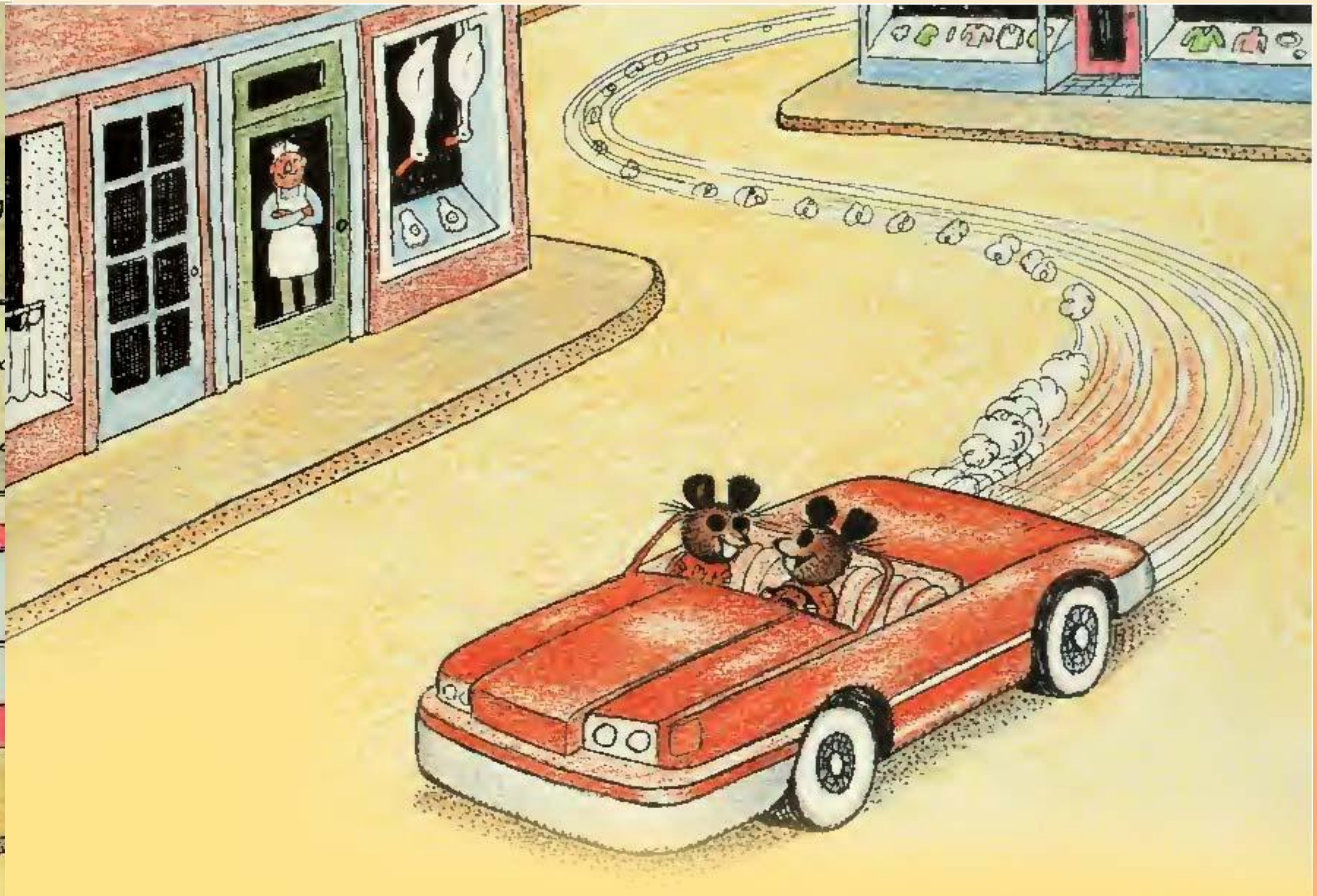
फ्रैड और टैड जुलूस की तलाश में निकले।

“हमें एक योजना की ज़रूरत है,” टैड ने कहा।



“मेरे पास एक योजना है,” फ्रैड ने जवाब में कहा। “तुम पीछे से जा उन्हें घेर लेना। तब मैं चुपके से आगे से जा उन्हें चौंका दूंगा।”

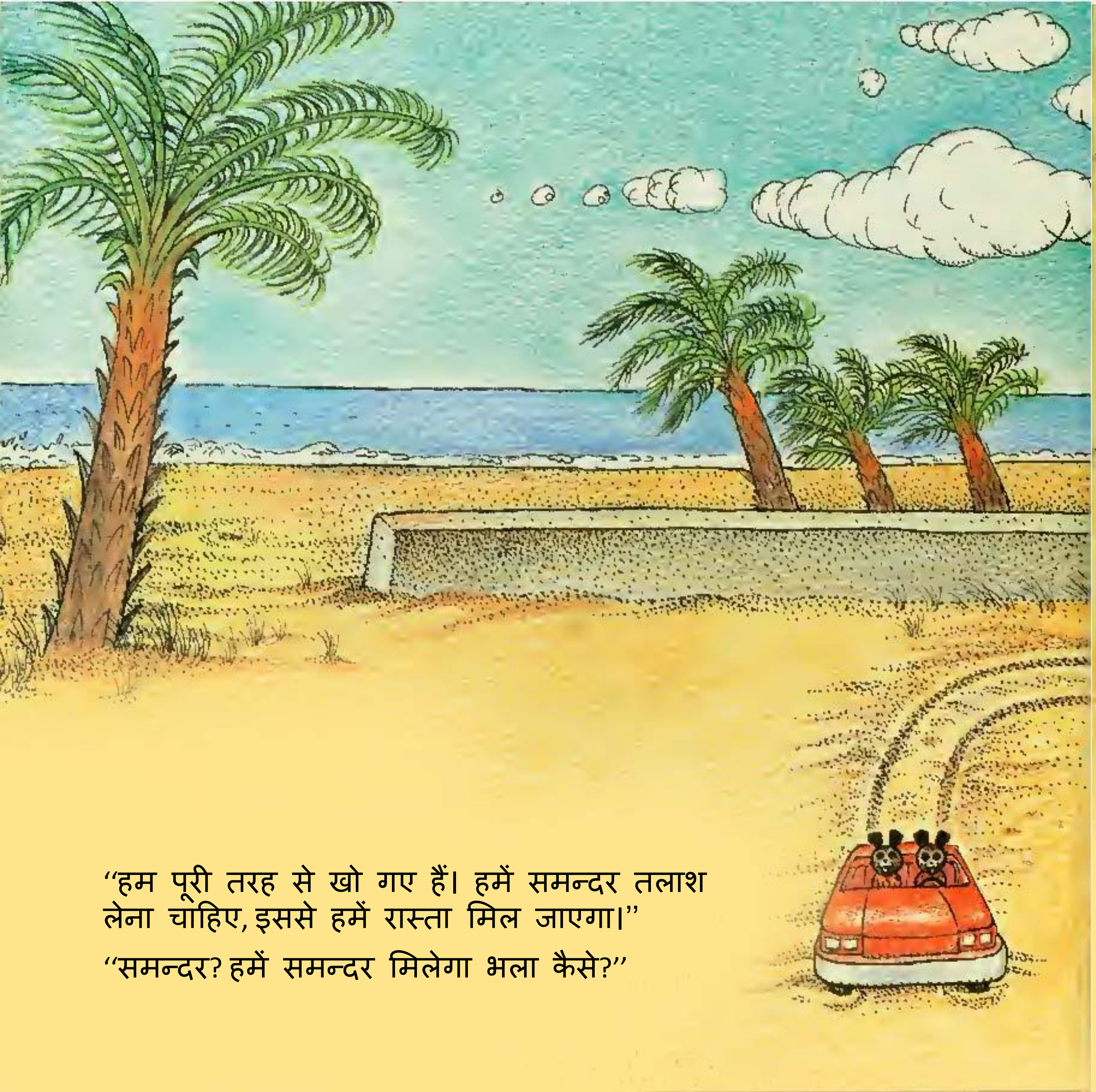
“नहीं, नहीं,” टैड बोला। “तुम क्यों नहीं बगल से जा, उन्हें पीछे से चौंका देते। तब मैं उन्हें आगे से घेर, चुपके से बगल में आ जाऊंगा।”



“यह तो ठीक नहीं है,” फ्रैड बोला। “क्यों न मैं चुपके से आगे और पीछे से जाऊँ। तब तुम पीछे से आगे आओ। तब हम दोनों उन्हें घेर लेंगे और चौंका देंगे।”

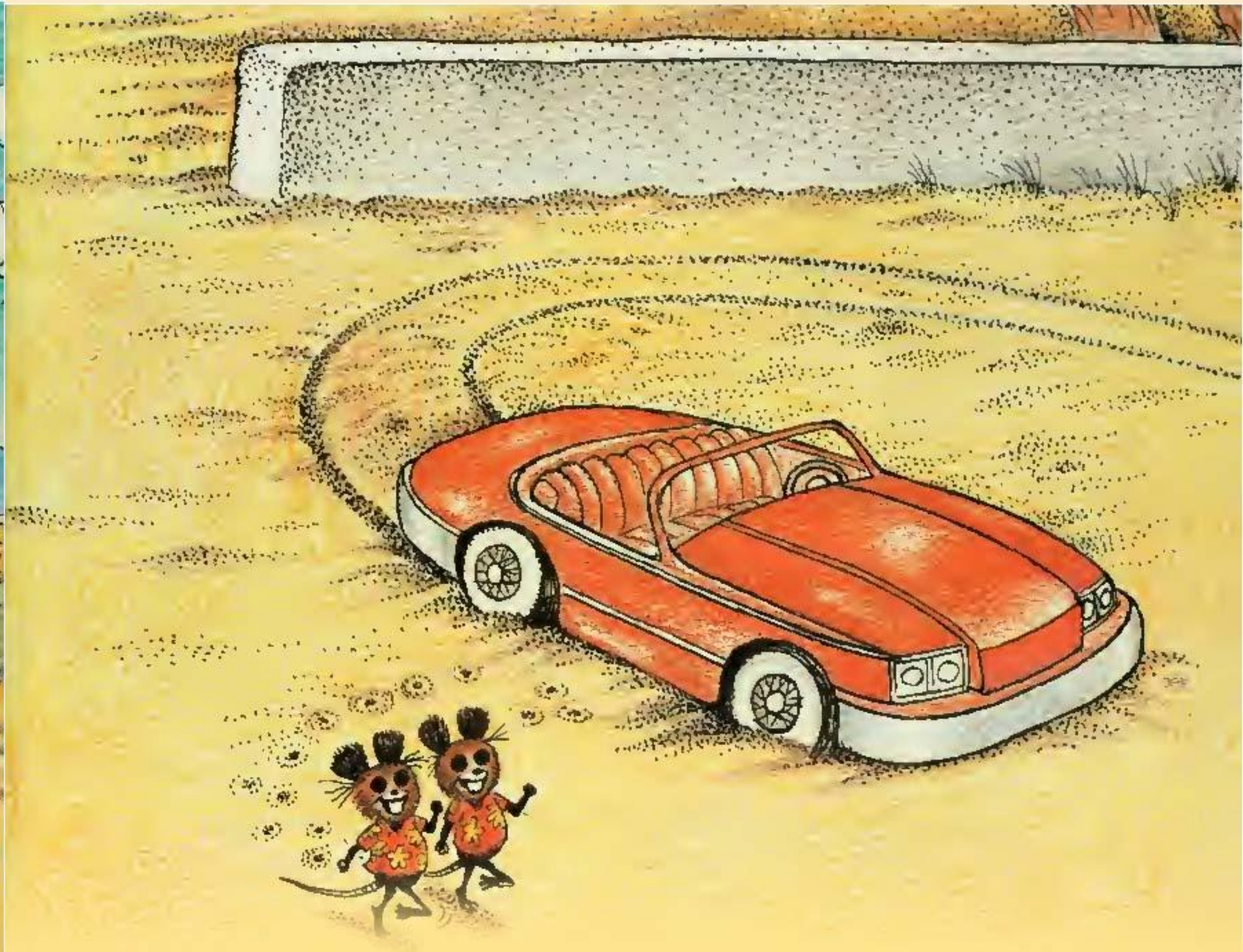
“यह कारगर नहीं होगा,” टैड ने कहा। “मैं सोचता हूँ कि तुम्हें चुपके से हर ओर से आना चाहिए। तब मैं उन्हें घेर लूंगा और तुम्हें चौंका दूंगा।”

इस बहसबाज़ी के कारण वे दोनों रास्ता ही भटक गए . . .



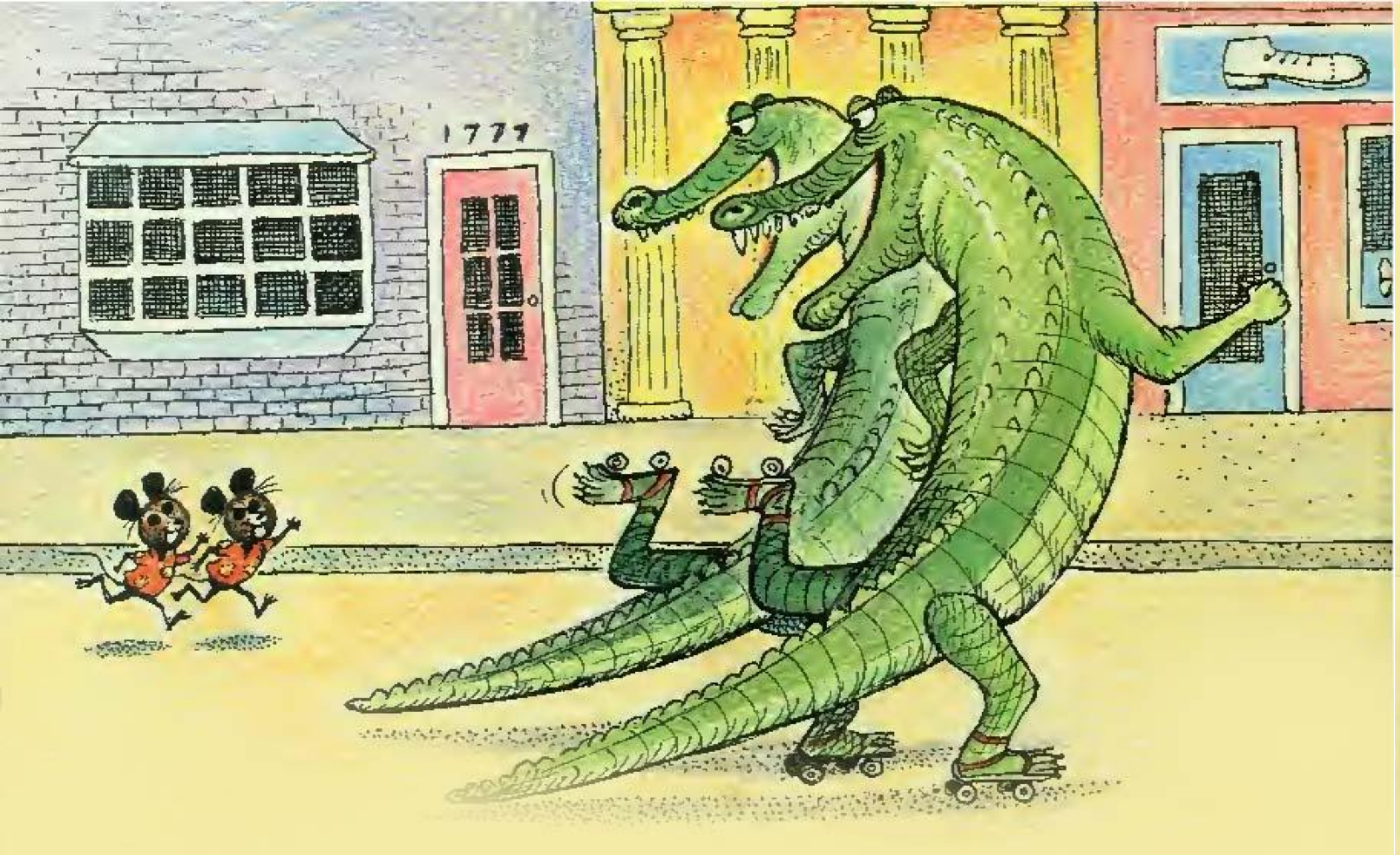
“हम पूरी तरह से खो गए हैं। हमें समन्दर तलाश लेना चाहिए, इससे हमें रास्ता मिल जाएगा।”

“समन्दर? हमें समन्दर मिलेगा भला कैसे?”



हम आगे बढ़ते जाएंगे,” टैड बोला। “हम सबको रोक कर पूछेंगे कि क्या उन्होंने जुलूस को गुज़रते देखा है? तब उन्हें थाने ले आएंगे और फिर से पूछताछ करेंगे।”

इस बीच उनकी गाड़ी रेत में धंस कर फंस चुकी थी। सो उन दोनों ने पैदल चलना शुरू किया।



जल्द ही उन्हें दो घड़ियाल मिले, जो रोलर स्केट पहने सड़क पर बढ़ रहे थे।

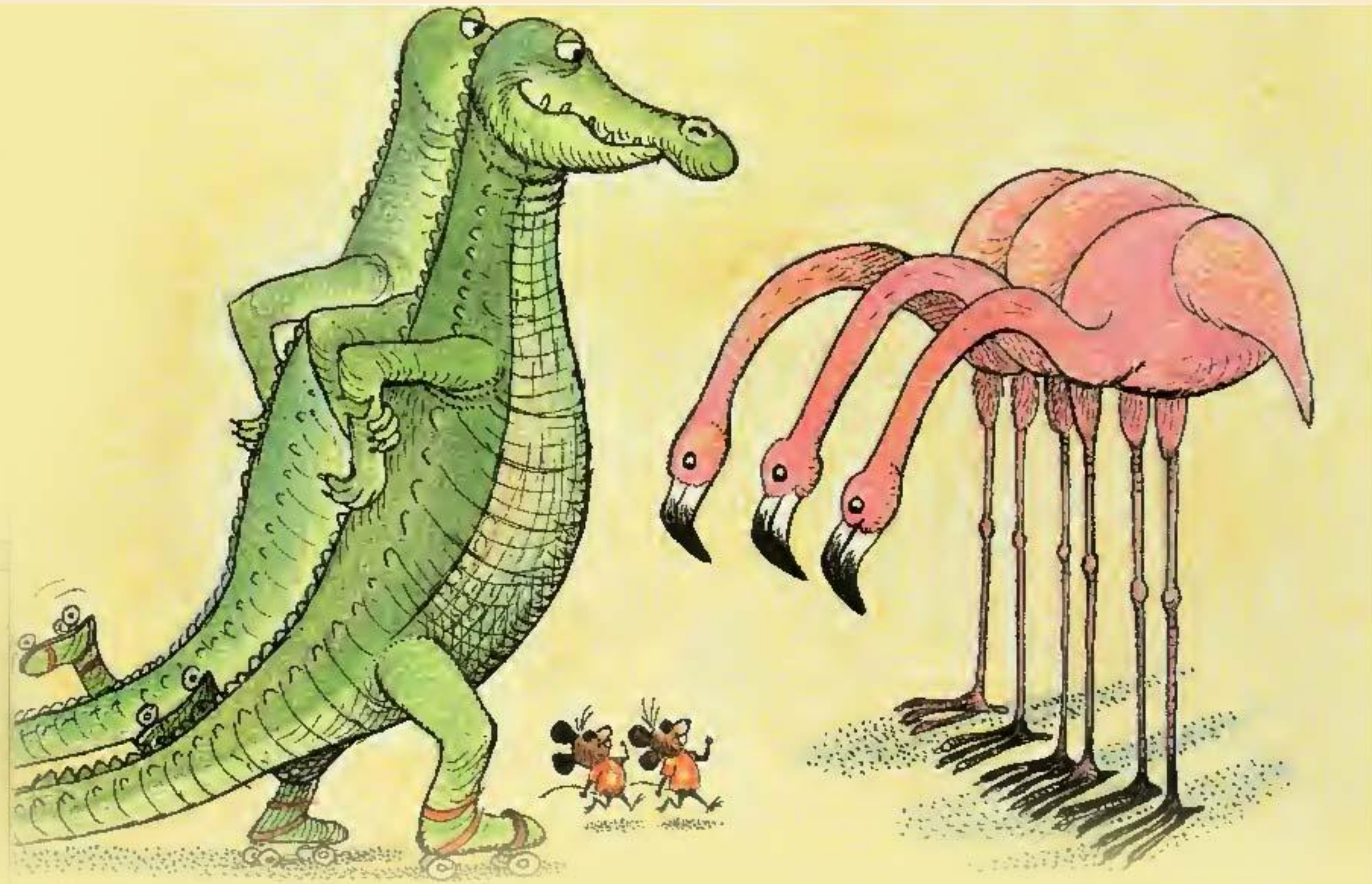
"क्या तुमने जुलूस को गुज़रते देखा है?" टैड ने पूछा।

"ना, हमने तो नहीं देखा।"

"तुम रोलर स्केट क्यों पहने हुए हो?" टैड ने जानना चाहा।

"क्योंकि हमारे पास बस की सवारी लायक पैसे नहीं हैं," घड़ियालों ने कहा।

"तब तो बेहतर यही होगा कि तुम हमारे साथ चलो," टैड ने कहा।



फ्रैड और टैड घड़ियालों के आगे-आगे सड़क पर चलने लगे।
जल्द ही उन्हें तीन गुलाबी फ्लैमिंगो (मराल) मिले।

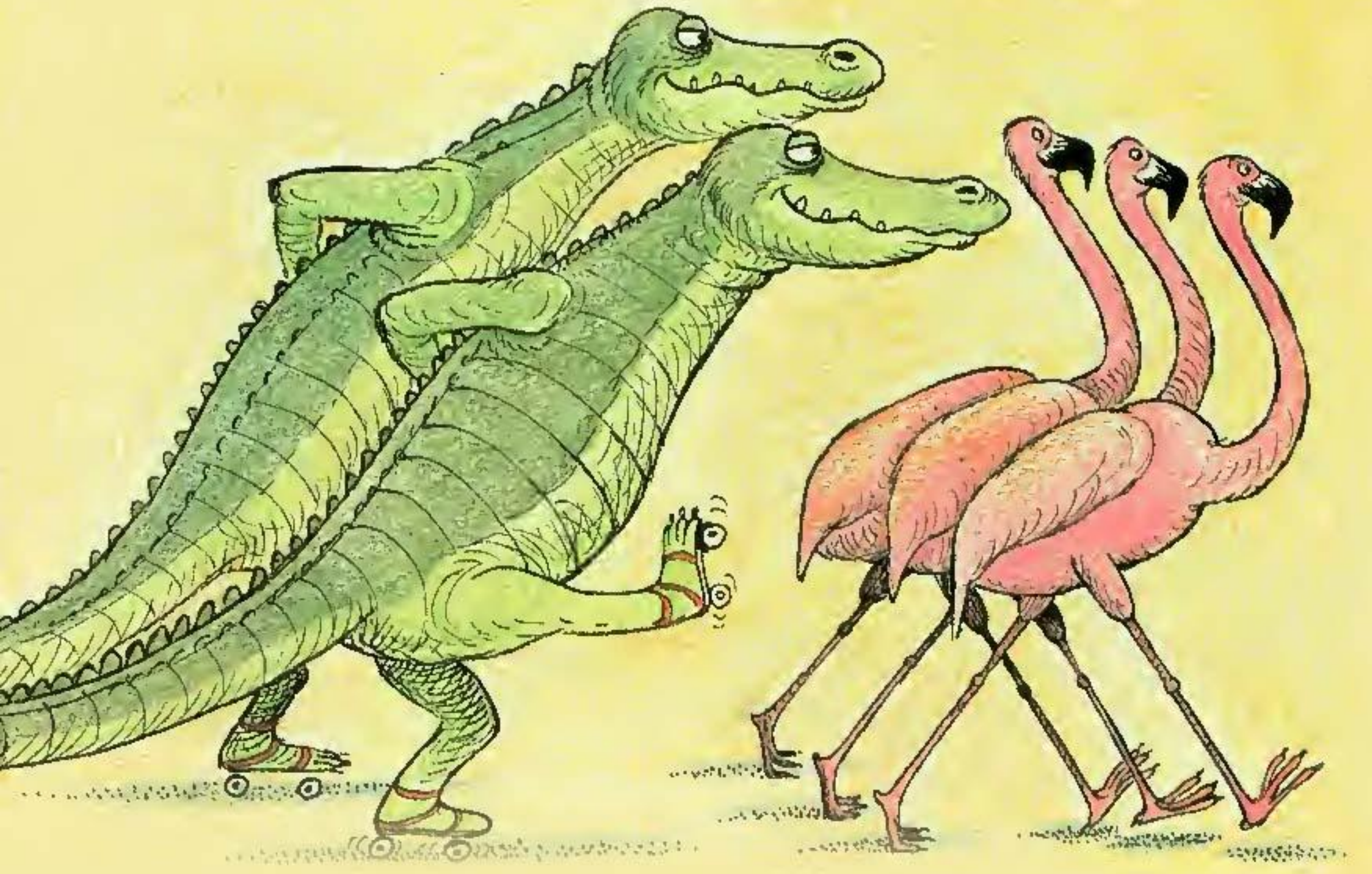
"क्या तुमने जुलूस को गुज़रते देखा है?" फ्रैड ने पूछा।

"नहीं तो," मरालों ने कहा।

"तुम लोग समुद्र तट पर क्या कर रहे हो?" फ्रैड ने पूछा।

"कुछ भी नहीं," मरालों ने कहा। "हम कुछ भी नहीं कर रहे।"

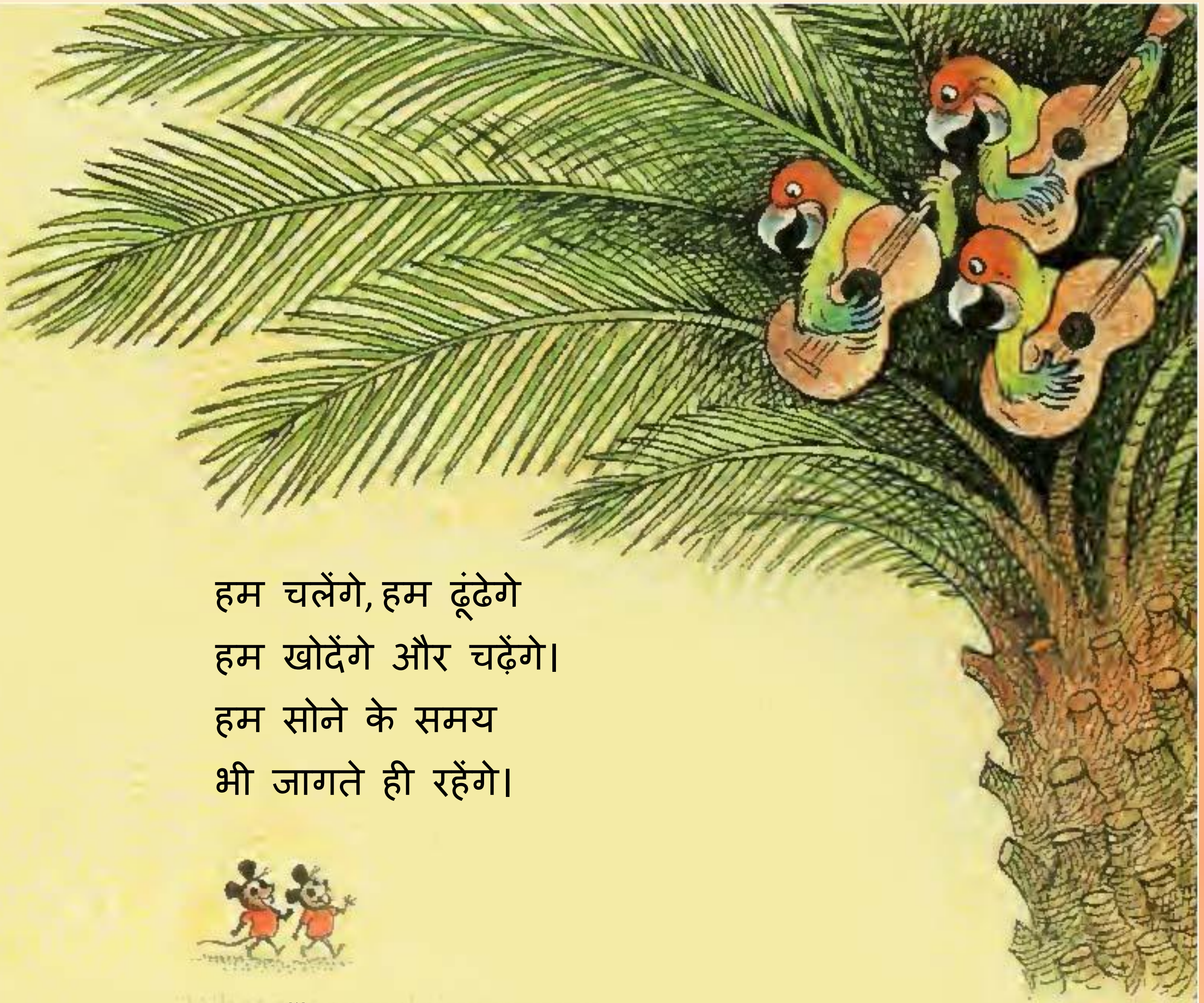
"फिर शर्म से यों गुलाबी भला क्यों हो रहे हो?" फ्रैड बोला। "बेहतर होगा कि तुम हमारे साथ चलो।"



फ्रैड, टैड, रोलर स्केट पहने दो घड़ियाल और तीन गुलाबी मराल सड़क पर आगे बढ़े। जल्द ही उन्हें तीन चटक हरे तोते दिखे जो पेड़ पर बैठे गिटार बजा रहे थे।

''सुप्रभात,'' टैड ने कहा।

''सुप्रभात, सुप्रभात, सुप्रभात,'' तीनों तोतों ने कहा।



''तुम लोग वहाँ ऊपर कर क्या रहे हो?'' फ्रैड ने पूछा।

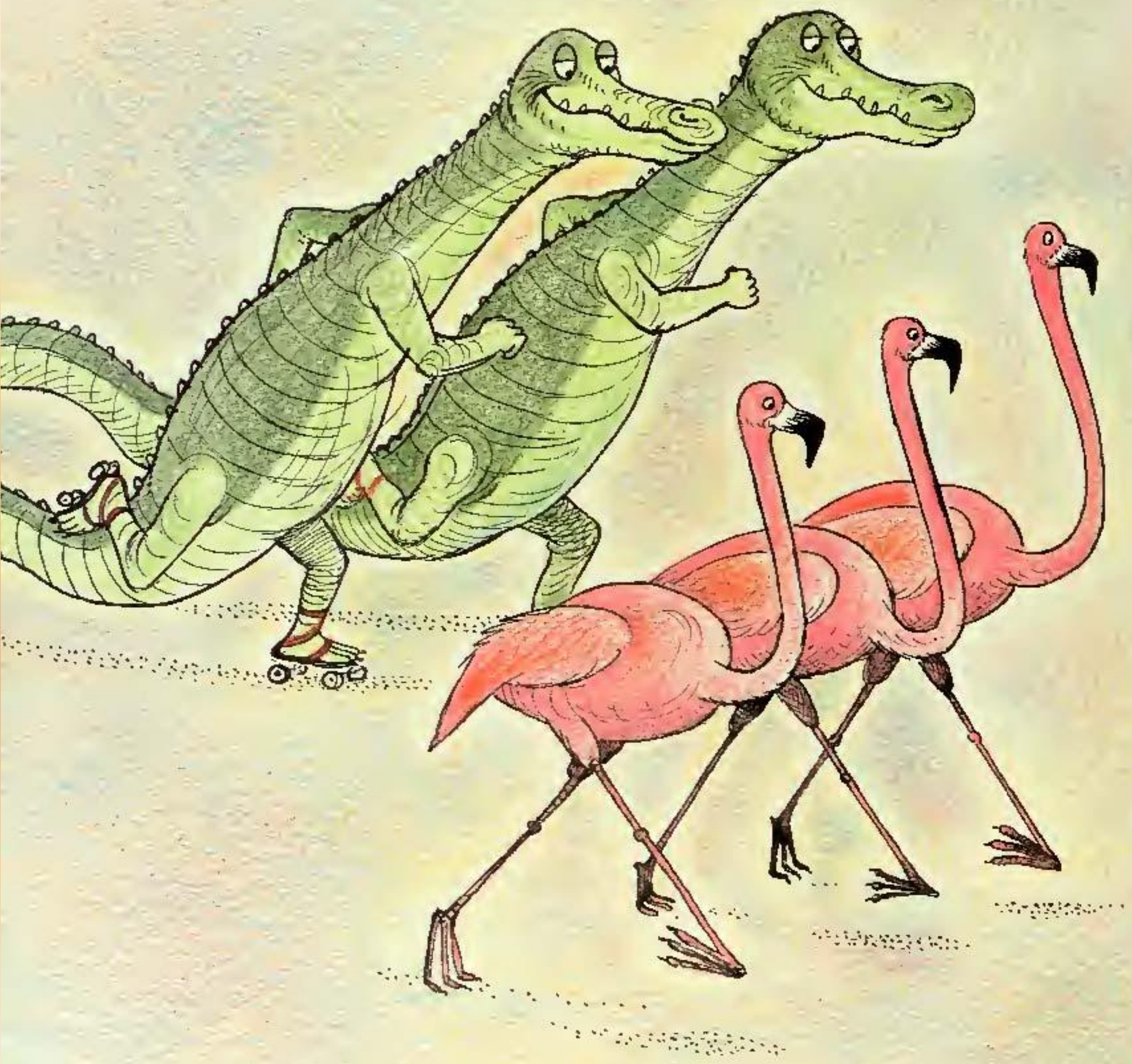
''तुम लोग वहाँ ऊपर कर क्या रहे हो?'' तोतों ने दोहराया।

''तुम हमारी हर बात दोहराते क्यों हो?'' टैड ने पूछा।

''तुम हमारी हर बात दोहराते क्यों हो?'' तोतों ने पलट कर कहा।

''बेहतर होगा कि तुम हमारे साथ चलो,'' फ्रैड ने कहा।

''बेहतर होगा कि तुम हमारे साथ चलो,'' तोते बोले।



फ्रैड और टैड सड़क पर आगे बढ़े। उनके पीछे थे गिटार बजाते तीन चटक हरे तोते, तीन गुलाबी मराल और रोलर स्केट पहने दो घड़ियाल। जल्द ही उन्हें दौड़ने वाले जूते पहने चार कछुए मिले।

"क्या तुमने जुलूस को गुज़रते देखा है?" फ्रैड ने पूछा।

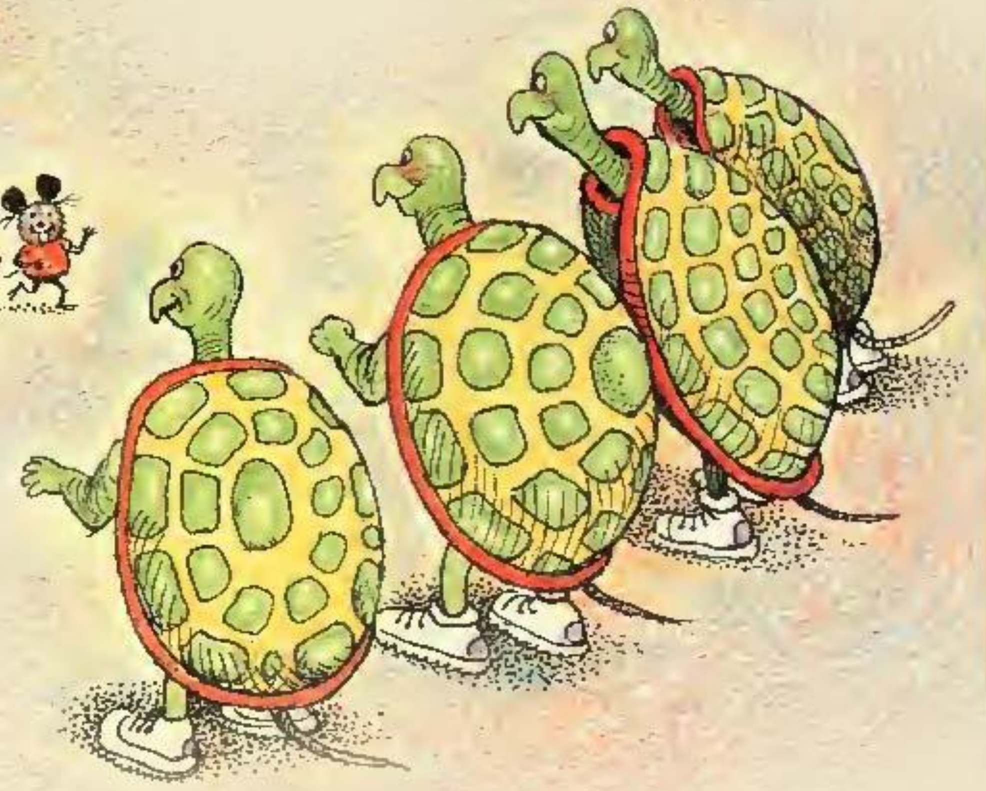
"नहीं ... हमने ... तो ... नहीं ... देखा...," कछुओं ने धीमी गति से कहा।

"तुम लोगों ने दौड़ने के जूते भला क्यों पहने रखे हैं?" टैड ने सवाल किया।

"हम ... घर ... से ... भाग ... जो ... रहे ... हैं..." कछुओं ने जवाब दिया।

"पर तुम्हारे घर तो तुम्हारी पीठ पर ही हैं," फ्रैड ने कहा।





"फिर ... क्या ... अचरज ... कि ... हमें ... इतना ... समय ... लग ... रहा ... है!" कछुए बोले।

"फिर तो बेहतर यही होगा कि तुम हमारे साथ चलो," फ्रैड ने कहा।





सब सड़क पर आगे बढ़े। मायामी चूहों के पीछे, दौड़ने वाले जूते पहने चार कछुए थे, गिटार बजाते तीन चटक हरे तोते, तीन गुलाबी मराल, और थे रोलर स्केट पहने दो घड़ियाल। जल्द ही उन्हें चार भौंकते ग्रेहाउण्ड (शिकारी कुत्ते) मिले, जो गोल-गोल चक्कर काट रहे थे।

"क्या तुमने जुलूस को गुज़रते देखा है?" टैड ने पूछा।

"नहीं, हमें तो कुछ दिखता ही नहीं, हमें इतने चक्कर जो आ रहे हैं," कुत्तों ने कहा।

"तुम लोग यों गोल-गोल चक्कर क्यों लगा रहे हो?" टैड ने पूछा।

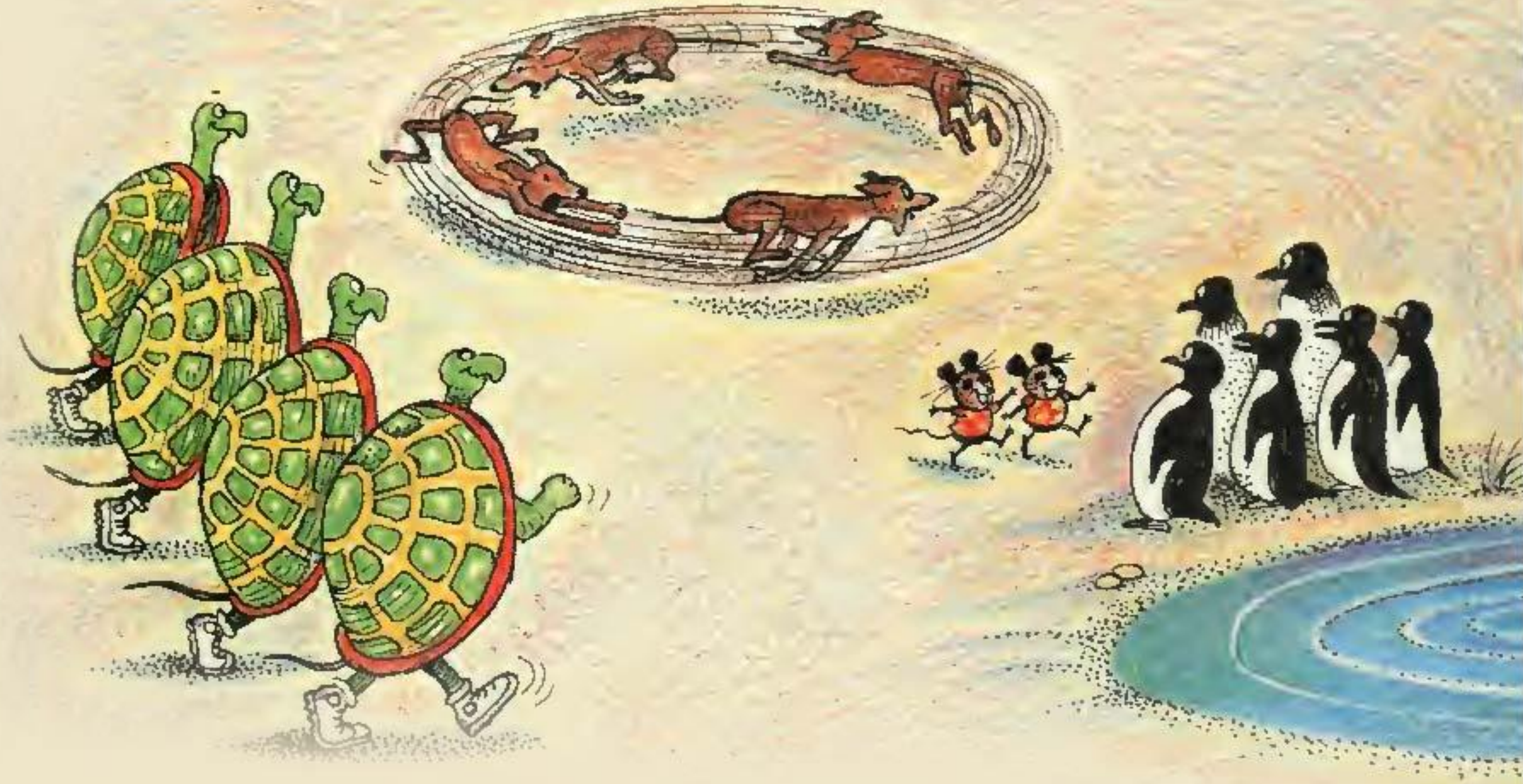
"हम अपनी-अपनी पूंछ का पीछा कर रहे हैं," ग्रेहाउण्ड बोले।

"और पूंछ का पीछा भला क्यों कर रहे हो?" टैड ने जानना चाहा।

"ताकि किसी दिन उसे पकड़ ही लें," उन्होंने जवाब दिया।

"तुम लोगों का हमारे साथ चलना ही बेहतर होगा?" फ्रैड ने कहा।





मायामी फ्रैड और मायामी टैड सड़क पर आगे बढ़े। उनके पीछे गोल-गोल चक्कर काटते चार ग्रेहाउण्ड, दौड़ने के जूते पहने चार कछुए, गिटार बजाते तीन चटक हरे तोते, तीन गुलाबी मराल और रोलर स्केट पहने दो घड़ियाल थे। जल्द ही उन्हें एक तालाब के पास खड़े छह पेन्गुइन मिले।

"क्या तुम लोगों ने जुलूस को गुज़रते देखा है?" टैड ने पूछा।

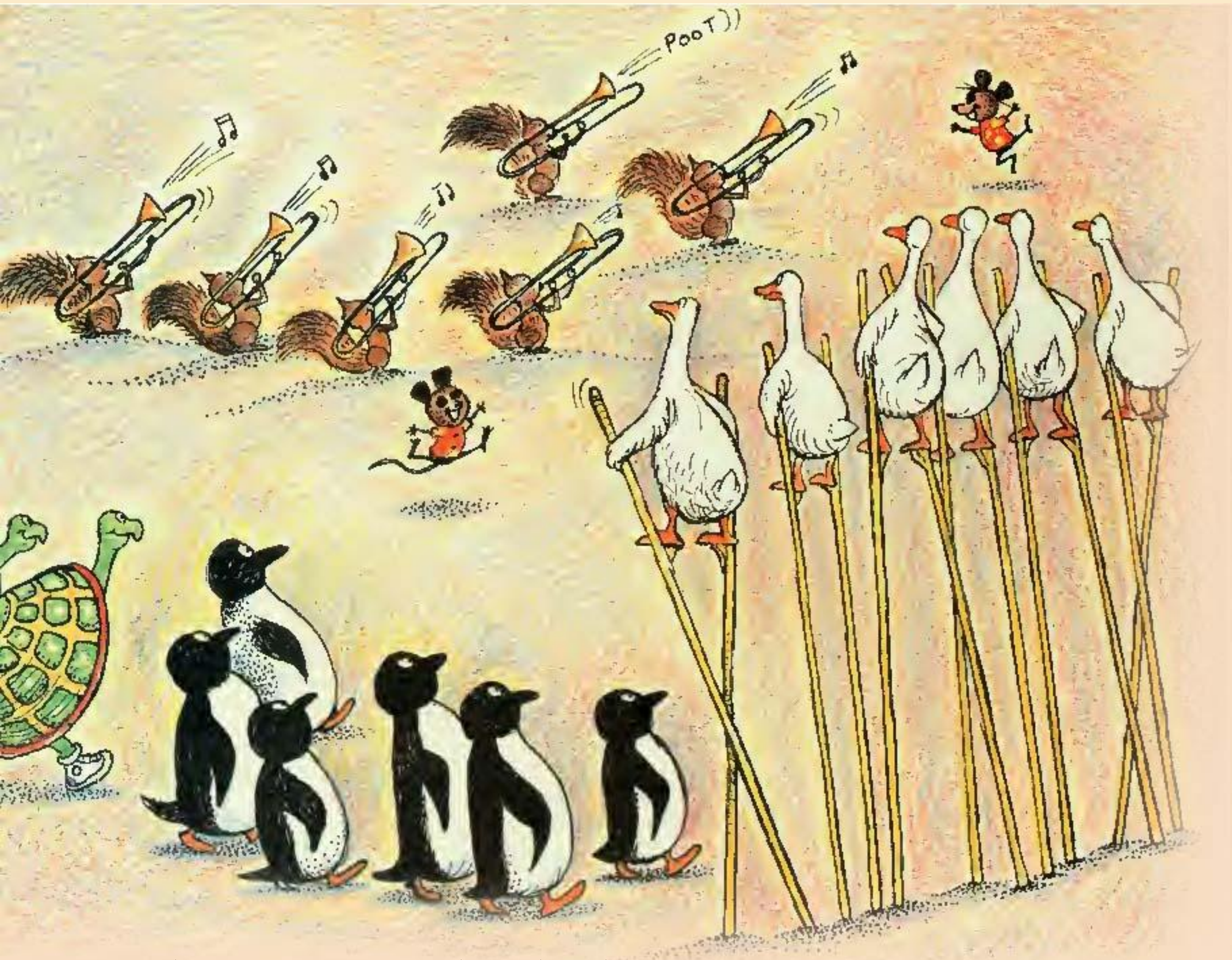
"नहीं," पेन्गुइन बोले।

"तुम लोग यहाँ कर क्या रहे हो?" फ्रैड ने सवाल किया।

"हम तैरने जा रहे थे," पेन्गुइन बोले।

"तैरने? फिर तुम सब इतने सजे-धजे क्यों हो?" फ्रैड चीखा।

"बेहतर होगा कि तुम सब हमारे साथ चलो।"



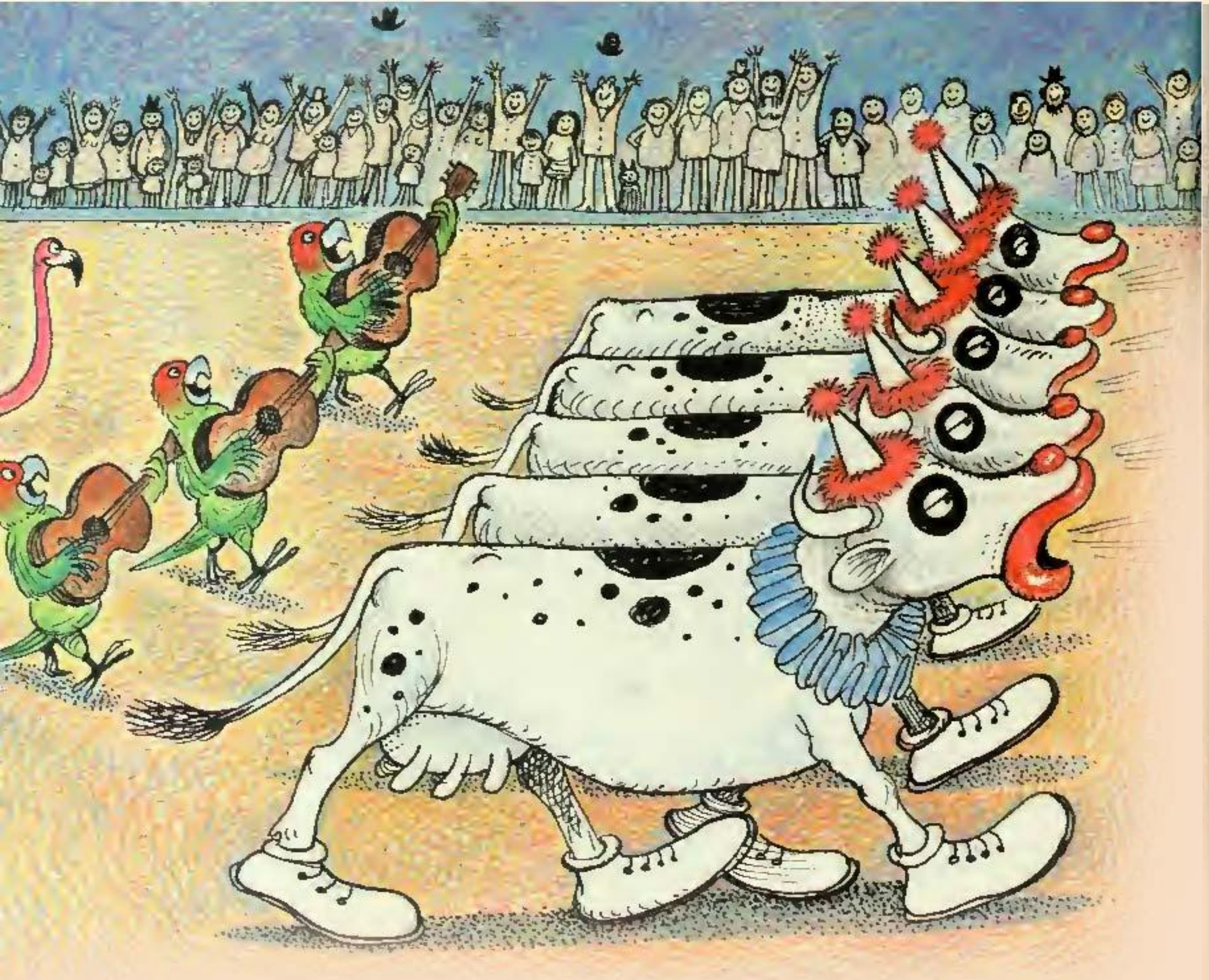
अब सबके सब सड़क पर आगे बढ़ते चले।

“बेहतर होगा कि तुम भी हमारे साथ चलो,” फ्रैड ने उन छह गिलहरियों से कहा जो तुरही बजा रही थीं।

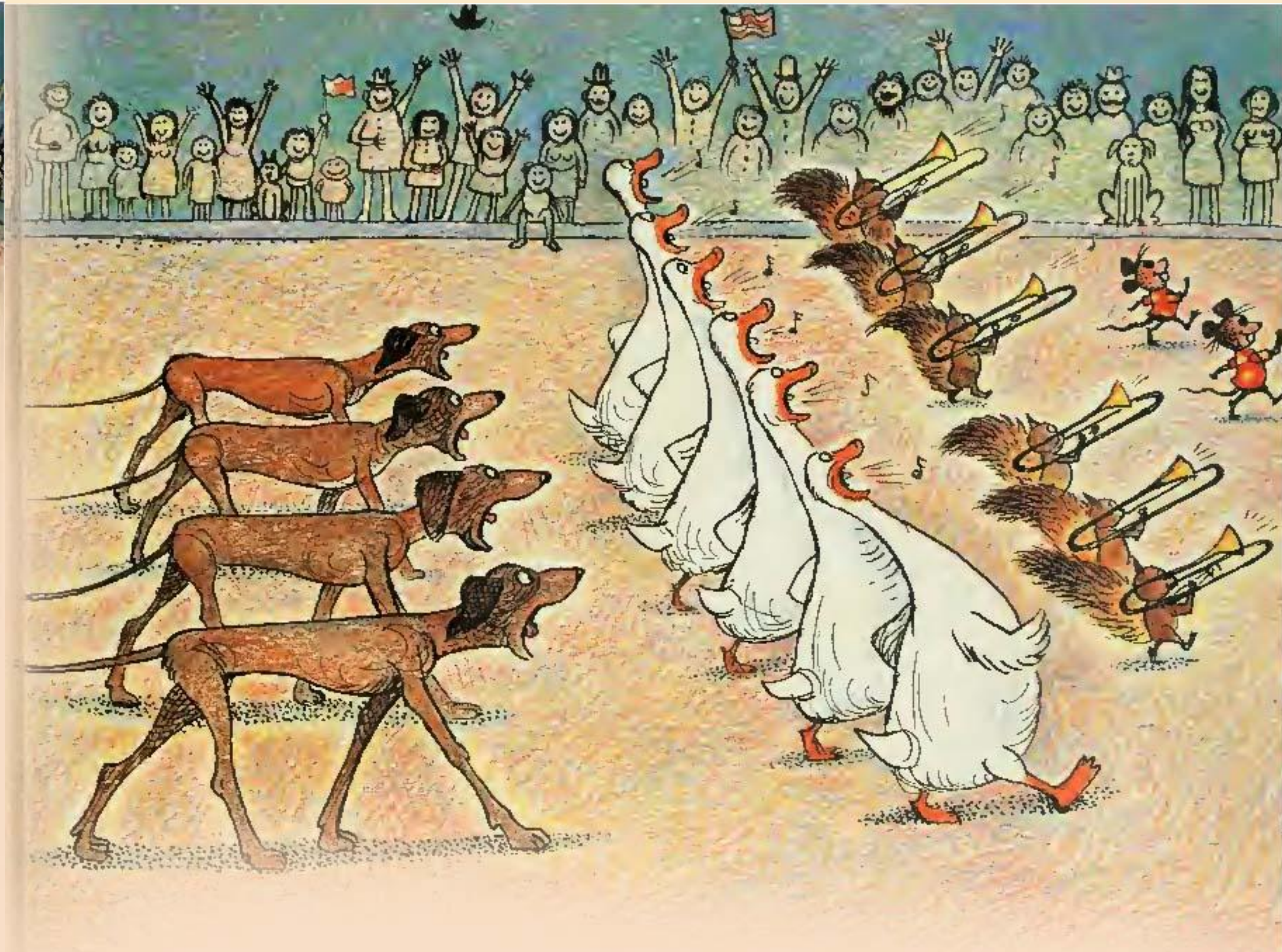
“बेहतर होगा कि तुम भी हमारे साथ चलो,” टैड ने उन छह बत्तखों से कहा जो पैरबाँसों पर चल रही थीं।



“बेहतर रहेगा कि तुम भी हमारे साथ चलो,” उन्होंने पाँच नाचते डॉल्फिनों और मसखरों की पोशाकें पहनी हुई पाँच गायों से कहा।

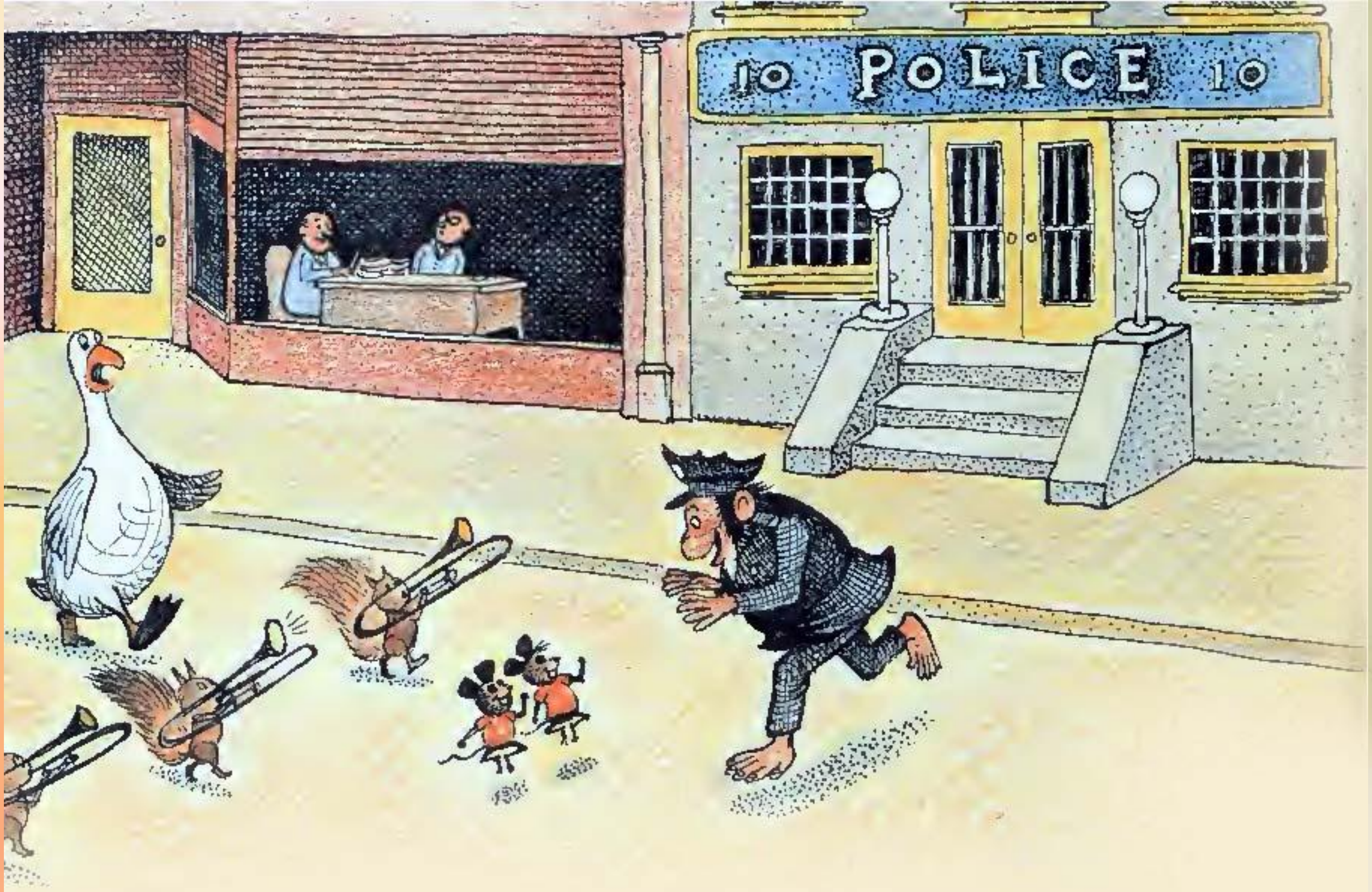


फ्रैड और टैड सबकी अगुवाई करते उन्हें शहर की ओर ले चले। वे भीड़-भाड़ भरी सड़क पर बढ़ते चले। तोते गिटार बजाते चिंचिया रहे थे। गायें रंभा रही थीं।



ग्रेहाउण्ड भौंकते चल रहे थे। बत्तखें काँ-काँ कर रही थीं।
गिलहरियाँ तुरही बजा रही थीं।

लोग जुलूस को देखने घरों से बाहर उमड़े। उन्होंने वाह-वाही की। खूब तालियाँ बजाईं।



जब फ्रैड और टैड थाने पहुँचे, पुलिस मुखिया ज़िपी दौड़ कर बाहर आया।

''बधाई हो!'' उसने कहा। ''शहर के बाशिन्दों ने अब तक जितने भी चौथी जुलाई के जुलूस देखे होंगे, यह उन सबसे उम्दा है।''

''शुक्रिया, जनाब मुखिया,'' मायामी चूहे तारीफ़ के जवाब में बोले।

''पर एक छोटी-सी समस्या है...'' मुखिया ज़िपी ने कहा।

फ्रैड और टैड मुखिया के साथ थाने में अन्दर गए।



''मैंने जब पहले कैलेंडर देखा था, तब एक छोटी गलती कर दी थी,'' मुखिया ने कहा। ''दरअसल आज तो तीसरी जुलाई ही है।''

''सिर्फ तीसरी जुलाई?'' फ्रैड और टैड चीखे।

''हाँ,'' मुखिया ज़िपी ने कहा। ''इसीलिए मुझे जुलूस कहीं दिखा ही नहीं था।''

फ्रैड और टैड उदास हो गए। ''ओह तो हम एक दिन पहले हैं,'' वे बोले।

"अरे, बुरा मत लगाओ," मुखिया ज़िपी ने दिलासा दी। "यह शहर का सबसे उम्दा तीसरी जुलाई का जुलूस है!"



बुलाओ एक बार
बुलाओ दूजी बार
बुलाओ दोनों को
हैं हम मायामी चूहे!



"ओ फ्रैड," टैड बोला। "क्या तुमने कभी नमकीन बिस्कुटों का डब्बा देखा है?"

"ना, कभी नहीं," फ्रैड ने कहा। "पर मैंने फलों का शरबत देखा है!"

"ये मेरे सबसे उम्दा सिपाही हैं," मुखिया ज़िपी ने कहा।

"वे टैप डांस कर सकते हैं। पर वे सबसे घटिया लतीफे सुनाते हैं।"

बुलाओ एक बार
बुलाओ दूजी बार
बुलाओ दोनों को
हैं हम मायामी चूहे!

जुलूस गायब है।
उसे तलाशने का काम सौंपा गया है
मायामी चूहों को।
वे पुलिस मुखिया ज़िपी के सबसे उम्दा सिपाही माने जाते हैं।
और वे लतीफे भी सुनाते हैं:
“क्या तुमने बिल्ली-मच्छी देखी है?”
“नहीं, पर मैंने एक चूहा-दानी देखी है!”

